Literacy for a Billion

Movie: Rishta Kagaz Ka
Year: 1983

Song: Sajna Sun Sun
Lyricist: Majrooh Sultanpuri

सजना सुन सुन
मेरी चाबी की छुन छुन
सजना सुन सुन
मेरी चाबी की छुन
तेरी नज़रो की प्यासी
कभी थी मैं तेरी दासी
अब हूँ मैं तेरी मालिक सुन

सजना सुन सुन
मेरी चाबी की छुन छुन
सजना सुन सुन
मेरी चाबी की छुन
तेरी नज़रो की प्यासी
कभी थी मैं तेरी दासी
अब हूँ मैं तेरी मालिक सुन

अभी तलक तो साहिब बनकर
हुकुम चलाया सैयाँ जी
उधर उठाया इधर बिठाया
पकड़ के मेरी बैयाँ जी

अभी तलक तो साहिब बनकर
हुकुम चलाया सैयाँ जी
उधर उठाया इधर बिठाया
पकड़ के मेरी बैयाँ जी

गया दिन वो तुम्हारा
अब हुकुम हमारा
इस घर पे चलेगा सुन

सजना सुन सुन
मेरी चाबी की छुन छुन
सजना सुन सुन
मेरी चाबी की छुन
तेरी नज़रो की प्यासी
कभी थी मैं तेरी दासी
अब हूँ मैं तेरी मालिक सुन

ऐसा मैं गिन गिन लूँगी बदला
सारा हिसाब चुका दूँगी
मेहँदी लगी इस उँगली पे लेके
तुमको नाच नचा दूँगी

ऐसा मैं गिन गिन लूँगी बदला
सारा हिसाब चुका दूँगी
मेहँदी लगी इस उँगली पे लेके
तुमको नाच नचा दूँगी

कोई अब न चलेगा
गली गली में मचेगा
शोर यहाँ से वहाँ तक सुन

सजना सुन सुन
मेरी चाबी की छुन छुन
सजना सुन सुन
मेरी चाबी की छुन
तेरी नज़रो की प्यासी
कभी थी मैं तेरी दासी
अब हूँ मैं तेरी मालिक सुन

समझ के नाजुक
इक औरत पे
अभी तो हाथ उठाओगे
छड़ी ना मारो
गुस्सा उतारो
नहीं तो फिर पछताओगे

समझ के नाजुक
इक औरत पे
अभी तो हाथ उठाओगे
छड़ी ना मारो
गुस्सा उतारो
नहीं तो फिर पछताओगे

बाबुल के नगर
चली जाऊँगी अगर
नहीं आऊँगी पलट कर सुन

सजना ..
मेरी चाबी की ...

सजना सुन सुन
मेरी चाबी की छुन
तेरी नज़रो की प्यासी
कभी थी मैं तेरी दासी
अब हूँ मैं तेरी मालिक सुन

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.